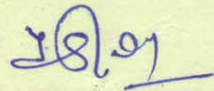


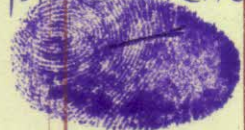
कार्ड का ऋण ले लिया था जिसको किशनलाल ने जमा नहीं करवाया बैंक द्वारा वसूली की तो हम सायलानों द्वारा उक्त ऋण को चुकता करना पडा । लेकिन प्रार्थी सं० २ ने दिनांक 18.04.2016 को उक्त आराजीयात मे से बिना बंटवारें के ही बैंक का ऋण लेने से मना किया तो अप्रार्थी नं० 01 कहने लगा कि मेरे पिताजी को ले जाकर बैंक से ऋण लूगा । अप्रार्थीगण प्रार्थी की हिस्से की आराजीया तमे दखलनदाज करने पर एवं ऋण लेने पर आमादा है। इसलिए प्रार्थी ने अप्रार्थीगण को जरिये अस्थायी निषेधाज्ञा पाबंद करने का निवेदन किया है। प्रार्थना पत्र के समर्थन में प्रार्थी ने अपना स्वयं का शपथ पत्र एवं फोटोकॉपी जमाबंदी पेश की है।

वकील प्रार्थी को सुना गया तथा पत्रावली का अवलोकन किया गया। वर्णित तथ्यों से प्रथम दृष्ट्या आश्वस्त हो अप्रार्थीगण को आगामी तारीख पेशी तक के लिए जरिये अस्थायी निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाता है कि ग्राम भरतून तहसील सपोटरा के आराजी खसरा नं० 845/587,583,694,154/2, 177,853,854,147,596,656,679,855,856,664,690 ,691 को रहन वय ना करे तथा ना नही दीगर व्यक्ति से करावें । मौके एवं रिकार्ड की स्थिति यथावत बनाये रखे। प्रार्थना पत्र प्रार्थी दर्ज रजिस्टर हो। तलबी अप्रार्थीगण जरिये नोटिस की जाकर पत्रावली दिनांक 16.06.2016 को पेश हो।


 उप जिला कलक्टर
 सपोटरा, जिला-करौली

13/5/16

नि. किशनलाल

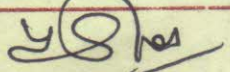


मामाम

मान सिंह

पत्रावली आज लोक अदालत में पेश हुई। अप्रार्थी सं. 1, 2 तथा 8 अर्थात् अर्थात् प्रकाल के कोर्ट के अर्थात् एका अर्थात् सुनावका अर्थात् अप्रार्थी सं. 1, 2 तथा 8 पत्रावली का अवलोकन किया गया। अप्रार्थी गण कहते हैं कि बिना बंटवारें के आराजीयात में प्रार्थी गण के हिस्से की पाबंदी यथावत रखी जाकर अप्रार्थी गण के हिस्से की आराजीयात को अर्थात् निषेधाज्ञा की पाबंदी रखा जावे।

अतः आदेश है प्रार्थी गण अर्थात् प्रार्थी गण को अप्रार्थी गण के अर्थात् लीका किया जाता है। अप्रार्थी गण को



रामजारी वगैरा कनाम अमरु वगैरा

हुकम या कार्यवाहीमदे इनिशियल्स जज

रा० अण्णाजी निवेशाजा

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुकम की तामील
में जारी हुए

तर्फिल्ला केरा जर्गे इन्व्याड निवेशाजा के
पाकेड किमा करातेके शुभ भयलून तहसील
लपोररा के इतराजी खलरानं, 1845/587,
583, 694, 154/2, 177, 853, 854, 147,
596, 656, 679, 855, 856, 664, 690,
691 में प्राप्तीगत के हिस्सेतक अपाप्तीगत रहन
वस नती स्वयं करे नाही हिस्से डीग केवटाके।
अपाप्तीगत अपने हिस्से को रहन वस इन्व्याड
करनेके लिए स्वतंत्र रहेंगे। सिंगम से लोक
अहलित दुनामा अया। अण्णाजी केरल शुभ्मा
होवश नक्का के फर्की, एवं प्राप्तीगत इतराजी प्रमाण

उप सण्ड अधिकारी
लपोररा (करोबी)